बिठांवां कित्थे श्याम नूं

कुल्ली निक्की जही, थोड़िया ने थांवां,
बिठांवां कित्थे श्याम नूं,
दस देवो मैनूँ कोई ते सलाहां,
बिठांवां कित्थे श्याम नूं....

करमां दा फल है या गल्ल है नसीब दी,
महलां तो वी उच्ची अज कुल्ली है गरीब दी,
आईया रास अज़ मंगीया दुआंवां,
बिठांवां कित्थे श्याम नूं....

आसन मैं जिस थां लगाया वेखो ठीक ए,
भोग वाला थाल जो सजाया वेखो ठीक ए,
फुल्ल हार दस्सो किन्ने कू मंगांवा,
बिठांवां कित्थे श्याम नूं....

सज़रे प्यार विच, कमी न कोई रह जावे,
मान सत्कार विच, कमी न कोई रह जावे,
ऐहो सोच-सोच घबरावा,
बिठांवां कित्थे श्याम नूं....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28000/title/bithava-kithe-shyam-nu

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |